घोटा चला घोटा चला | By Mukesh Bagda |

घोटा चला घोटा चला
बाला का घोटा चला
भूत-पिशाचो पर मेहंदीपुर के
मंदिर में सोटा चला

भूतों के हैं जो सताए हुए
दरबार में आइए
जिन्हें पिशाचों ने मारे हुए
बिलकुल न घबराइए
थर-थर यहाँ काँपते भूत हैं
टल जाते हैं हर बला
घोटा चला घोटा चला
बाला का घोटा चला
भूत-पिशाचो पर मेहंदीपुर के
मंदिर में सोटा चला

आगे बालाजी के भैरव बाबा
पीछे हैं जी प्रेत-राज
दूतों से भूतों को मंगवाते हैं
भक्तों के करते हैं काम
बरसों-बरस से ही दरबार में
है जी यही सिलसिला
घोटा चला घोटा चला
बाला का घोटा चला
भूत-पिशाचो पर मेहंदीपुर के
मंदिर में सोटा चला

सुनते हैं सबकी अरदास को
घाटे वाले बालाजी
जो आया दर पे उसे बेखबर
खाली नहीं डालाजी
दावे से कहता है यह बागरा
होता है सबका भला

घोटा चला घोटा चला
बाला का घोटा चला
भूत-पिशाचो पर मेहंदीपुर के
मंदिर में सोटा चला

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%98%e0%a5%8b%e0%a4%9f%e0%a4%be-%e0%a4%9a%e0%a4%b2%e0%a4%be-%e0%a4%98%e0%a5%8b%e0%a4%9f%e0%a4%be-%e0%a4%9a%e0%a4%b2%e0%a4%be-by-mukesh-bagda/